THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No, Sir

(b) and (c) The improvement in port performance, productivity and operations is a continuous process. All major ports take necessary steps from time to time to improve their performance, productivity and operations

National Workshop on Road Safety Management

6314. SHRI CHIMANBHAI HARIBHAI SHUKLA: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether a National Workshop on Road Safety Management was organised recently; and

(b) if so, the subjects discussed and the measures recommended by the experts and the participants?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No, Sir

(b) Does not arise

Setting up of Rest Areas Along Highways

6315. SHRI YERRA NARAYANASWAMY: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have discussed with the State Transport Ministers the policy of creating Rest Areas, alongside major roadways and highways;

(b) if so, details of such discussions;

(c) whether there are any proposals to establish Rest Areas for long-distance road users in Andhra Pradesh; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No, Sir. However, the Ministry has an ongoing scheme for providing passenger oriented wayside amenities along National Highways under Government Sector as well as under Private Sector participation.

(b) Does not arise.

(c) and (d) Under Government Sector Scheme, a site at Palamaner on National Highway-4 in Andhra Pradesh has been identified for development of passenger oriented wayside amenities.

प्रमुख पत्तनों की अतिरिक्त क्षमता

6316. श्रीमती सुषमा स्वराज:
श्री राम जेठमलानी:

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के प्रमुख पत्तनों की वर्तमान क्षमता 172.6 मिलियन टन है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि सरकार ने वित्तवर्ष क्षमता को बढ़ाकर 237 मिलियन टन तक करने का लक्ष्य निर्धारित किया है;

(ग) यदि हां, तो यह अतिरिक्त क्षमता कब तक सृजित कर ली जायेगी और इस प्रयोजन के लिए कितनी अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता पड़ने का अनुमान है,

(घ) क्या सरकार ने यह राशि प्राप्त करने हेतु विभिन्न वित्तीय स्रोतों की पहचान कर ली है; और

(ङ) यदि हां, तो किन-किन स्रोतों से कितनी-कितनी धनराशि प्राप्त करने का विचार है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर): (क) और (ख) देश के पत्तनों की वर्तमान क्षमता 173.04 मिलियन टन है। आठवीं योजना के अनुसार, योजना के अंत तक क्षमता को बढ़ा कर 237 मिलियन टन किया जाना है।

(ग) नौवीं योजना के प्रारंभ में 237 मिलियन टन की क्षमता प्राप्त कर ली जाएगी। तथापि, इसमें से 216 मिलियन टन की क्षमता तो आठवीं योजना 1992-97 में ही प्राप्त कर ली जाएगी। आठवीं योजना में इस प्रयोजनार्थ 2984 करोड़ रु० का परिव्यय उपलब्ध कराया गया है।